# वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

## एम.ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

## एमएएचडी-09

## लोक साहित्य

**अवधि 3 घंटे** **अधिकतम अंक 80**

**निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।**

**खण्ड - अ**

**नोट : इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द है। 8×2 = 16**

**प्रश्न** 1 **'लोक' को पारिभाषित कीजिए।**

**प्रश्न** 2 **लोकमानस के लक्षणों का उल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 3 **लोकसाहित्य के किन्हीं चार विशिषिट अध्येयताओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 4 **राजस्थानी लोककथाओं के चार कथानक अभिप्रायों का उल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 5 **दो प्रसिद्ध लोकगाथाओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 6 **'बाताँ री फुलवाड़ी' के रचयिता का नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 7 **राजस्थान की चार लोकदेवियाँ कौन-कौनसी है ?**

**प्रश्न** 8 **हरियाणा के फाग तृत्यकी विशेषताएँ संक्षिप्त में लिखिए।**

**प्रश्न** 9 **लोकवार्ता किसे कहते है ?**

**प्रश्न** 10 **'सोफिया बर्न' ने लोक संस्कृति की कौनसी तीन श्रेणियों का उल्लेख किया है ?**

**प्रश्न** 11 **लोकसाहित्य के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है ?**

**प्रश्न** 12 **राजस्थान के किन्हीं दो लोकसाहित्यकार और उनकी एक एक रचनाओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 13 **राजस्थान के प्रकीर्ण साहित्य में किसका अध्ययन किया जाता है ?**

**प्रश्न** 14 **कथानक अभिप्राय की परिभाषा लिखिए।**

**प्रश्न** 15 **व्रत कथाओं का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 16 **यक्षगान किसे कहते है ?**

**प्रश्न** 17 **होली के अवसर पर ब्यावर शहर में किस स्वांग का प्रदर्शन होता है ?**

**प्रश्न** 18 **कुचामणी ख्याल के प्रवर्तन का नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 19 **नाग कथाओं का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 20 **लोक कथाओं की चार विशेषताओं का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 21 **लोकनाटय का एक रूप 'रामलीला' के बारे में संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।**

**प्रश्न** 22 **लोकगीतों का क्या महत्व है ? संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 23 **'गड़ंग' और 'पहेली' शब्द का अर्थ लिखिए।**

**प्रश्न** 24 **'लोकोक्ति' किसे कहते है ?**

**प्रश्न** 25 **लोकसाहित्य के किन्हीं चार विशिष्ट अध्येयताओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 26 **नाग कथाएँ क्या होती है ? ईसाई मिथक में नाग को किस प्रकार परिभाषित किया गया है ?**

**प्रश्न** 27 **लोक साहित्य के संकलन की आवश्यकता क्यों है ?**

**प्रश्न** 28 **कथानक रू ि में 'अमरफल' के बारे में संक्षिप्त में जानकारी दीजिए।**

**प्रश्न** 29 **राजस्थान की किन्ही दो लोकनाटय शैलियो का नम लिखिए।**

**प्रश्न** 30 **यक्षगान के वर्तमान स्वरूप का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 31 **निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए**

(क) सुवटो (ख) मेहबाबो (ग) चोखी (घ) बाट

**प्रश्न** 32 **वातों (कथाओं) में वातपोश की क्या भूमिका होती है ?**

**प्रश्न** 33 **लोकगाथा किसे कहते है ? संक्षिप्त में लिखिए।**

**प्रश्न** 34 **आवरी माता राजस्थान के किस जिले में स्थिति है ?**

**प्रश्न** 35 **लोक संगीत को बढ़ावा देने हेतु राजस्थान की संगीत नाटक अकादमी की स्थापना कब और कहाँ की गई?**

**प्रश्न** 36 **कुचामणी ख्याल के मूर्धन्य कलाकार का नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 37 **'ढाई-कड़ी की राम लीला' लोक नाट्य रूप किस जिले में मंचित होता है ?**

**प्रश्न** 38 **'गवरी' के बारे में आप क्या जानते है ?**

**प्रश्न** 39 **भवाई नृत्यकी विशेषताएँ संक्षिप्त में लिखिए।**

**प्रश्न** 40 **'अक्षय तृतीया का वर्णन कीजिए।**

**प्रश्न** 41 **लोकचेतना को अभिव्यक्त करने वाली प्रमुख चार विधाओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 42 **प्रमुख दो लोकगाथाओं का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 43 **धार्मिक व्रत कथाओ का भारतीय समाज में क्या महत्व है ?**

**प्रश्न** 44 **लोक कथाएं किस प्रकार समाज को शिक्षित संस्कारित और प्रभावित करती है ?**

**प्रश्न** 45 **राजस्थान की लोककथाओं में प्रयुक्त किन्हीं चार कथानक रू ि ढयों के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 46 **लोक साहित्य और शिष्ट (अभिजात) साहित्य में अन्तर कीजिए।**

**प्रश्न** 47 **निम्न लिखित शब्दों का अर्थ लिखिए।**

(क) भरतार (ख) गीगो (ग) चोखी (घ) कामण

**प्रश्न** 48 **प्रमुख चार लोकोत्सव के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 49 **खड़ी बोली हिन्दी का मूल उदगम कौनसी अपभ्रंश से माना जाता है ?**

**प्रश्न** 50 **ब्रज लोक नाट्य के किन्हीं चार प्रचलित रूपों का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 51 **छड़ी नृत्यकी विशेषताएँ लिखिए।**

**प्रश्न** 52 **'लोक' को परिभाषित कीजिए।**

**प्रश्न** 53 **करणीमाता के बारे में आप क्या जानते है ?**

**प्रश्न** 54 **लोककथाओं में वातपोश कौन होता है ?**

**प्रश्न** 55 **लोक मानस किसे कहते हैं ?**

**प्रश्न** 56 **लोक साहित्यकार श्री देवेन्द्र सत्यार्थी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 57**राजस्थान की प्रमुख दो लोकगाथाओं का नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 58**निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए।**

(क) बैगों (ख) भाठो (ग) म्हारो (घ) हेलो

**प्रश्न** 59**लोकगीत किसे कहते है ?**

**प्रश्न** 60 **'बातां री फुलवाड़ी' के रचयिता कौन है** ?

**प्रश्न** 61 **लोकगीतों का संक्षिप्त में महत्व लिखिए।**

**प्रश्न** 62 **लोककथा में 'छोगे' एवं 'हुंकारे किसे कहते है** ?

**प्रश्न** 63 **लोकसाहित्य के प्रमुख दो अध्येयताओं का नाम लिखिए।**

**प्रश्न** 64 **किन्हीं दो राजस्थानी लोक साहित्य संग्रहालयों का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 65 **लोरिकायन कथा में गउरा के राजा का क्या नाम था** ?

**प्रश्न** 66 **श्री झवरेचन्द्र मेघाणी किस प्रदेश के लोक साहित्यकार के रूप में विख्यात है** ?

**प्रश्न** 67 **किन्हीं चार लोक वाद्यों का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 68 **लोकगीत हमारी लोकसंस्कृति को किस प्रकार अभिव्यक्त करते है** ? **संक्षिप्त में लिखिए।**

**प्रश्न** 69 **लोकगाथा की कोई चार विशेषताओं का नामोल्लेख कीजिए।**

**प्रश्न** 70 **लोकनाटक किसे कहते है** ?

**प्रश्न** 71 **उद्धरणात्मक लोककथाओं से क्या तात्पर्य है** ?

**प्रश्न** 72 **मालवी लोक साहित्य की विशेषताएँ संक्षिप्त में लिखिए।**

## उत्तर तालिका खण्ड अ

**प्रश्न** 3 (1) **कोमल कोठारी** (2) **डा. सत्येन्द्र** (3) **श्री देवेन्द्र सत्यार्थी** (4) **डा. कृष्णदेव उपाध्याय, इसके अतिरिक्त अन्य नाम पुस्तक में है।**

**प्रश्न** 4 (1) **'सुगन चिड़ी' द्वारा आगामी घटनाओं का संकेत**
(2) **परियों द्वारा पक्षी या स्त्री रूप में सहायक्ता**
(3) **जादुई अंजन** (4) **बैमाता द्वारा भाग्य के अक्षरों का पढ़ना**

**प्रश्न** 5 (1) **सोहनी-माहीवाल की लोकगाथा**
(2) **हीर-रांझा की लोकगाथा**

**प्रश्न** 6 **विजयदान देथा**

**प्रश्न** 7 (1) **करणीमाता** (2) **शीतला माता** (3) **जीणमाता** (4) **कैलादेवी, इसके अतिरिक्त आवरी माता, आईमाता, तन्नोट माता, भदाणा माता, राणी भटियाणी इत्यादि।**

**प्रश्न** 10 (1) **लोक विश्वास** (2) **रीति-रिवाज** (3) **लोक साहित्य**

**प्रश्न** 12 (1) **डा. अर्जुन देव चारण (राजस्थानी ख्याल साहित्य)**
(2) **डा. सोहनदास चारण (राजस्थानी लोक साहित्य का सैधान्तिक अध्ययन)**
(3) **विजयदान देथा (बाताँ री फुलवारी)**
(4) **डा. नन्दलाल कल्ला (लोक साहित्य शास्त्र, राजस्थानी लोक साहित्य एवं संस्कृति)**
(5) **डा. महेन्द्र भानावत (राजस्थान के रावल, राजस्थान भवाई)**

**प्रश्न** 13 **लोकोकितयाँ, मुहावरे, पहेलियाँ और सूक्तियां**

**प्रश्न** 14 **लोककथा साहित्य और गाथा साहित्य में किसी एक रचना या विभिन्न रचनाओं में बार-बार प्रचलित होने वाला कथ्य, चरित्र का प्रकार, बिम्ब अथवा श्लेष कथानक अभिप्राय कहलाते है।**

**प्रश्न** 17 **बादशाह की सवारी**

**प्रश्न** 18 **स्वर्गीय लच्छीराम**

**प्रश्न** 20 (1) **संगीतात्मकता** (2) **दीर्घकथानक** (3) **रचयिता के व्यक्तित्व का अभाव**
(4) **टेकपद की पुनरावृत्तिइसके अतिरिक्त भी अन्य कई विशेषताएँ हो सकती है।**

प्रश्न 23 (1) गडंग - होड़ लगाकर गप्प मारना

(2) पहेली - विषम अवस्था या उलझन

प्रश्न 24 समग्र लोक में प्रचलित उक्तियाँ जो लोक को संहर्ष स्वीकार्य हो, लोकोक्तियाँ कहलाती है।

प्रश्न 25 (1) कोमलकोठारी (2) डा. महेन्द भानावत (3) डा. सत्येन्द्र (4) रामनरेश त्रिपाठी इत्यादि

प्रश्न 26 व्रत कथाऐं और परीकथाओं की तरह लोककथाओं में नाग कथाओं को भी स्थान दिया गया है। कथाओं में नाग विश्वसनीय मित्र है तो घातक शत्रु भी है। नाग वरदान, शगुन, धन-समृद्धि, संतान आदि देने वाले माने जाते है। इसाई मिथकों में शैतान नाग रूप में स्वर्ग में प्रवेश कर ईव को वर्जित फल खाने और स्वर्ग से निर्वासित होने का निमित बनता है।

प्रश्न 29 कुचामणी ख्याल, ख्याल अथवा खेल, राजस्थानी, रम्मत ख्याल, अलीबक्षी ख्याल, नौटकी, मेवाड़ के ख्याल, चौकडिया इत्यादि।

प्रश्न 31 (क) तोता (ख) वर्षा (ग) अच्छी (घ) प्रतीक्षा

प्रश्न 34 चित्तौड़ जिले की भदेसर तहसील में

प्रश्न 35 इसकी स्थापना राजस्थान सरकार द्वारा सन 1959 में जोधपुर में की गई।

प्रश्न 36 उगम राज खिलाडी

प्रश्न 37 बाराँ जिले में

प्रश्न 38 'गवरी' भीलों का मेरूनाटय हैं। इसका मुख्य आधार शिव-भस्मासुर की कथा है। राखी के बाद इसका प्रदर्शन सवा महीने तक चलता है। गाँव का कोई खुला चौराहा अथवा स्थान इनका रंगमंच होता है, जहाँ दिनभर इसका अभिनय चलता है।

प्रश्न 39 किसी महान चरित की चारित्रिक लीलाओं को गद्य रूप में संगीत एवं नृत्यद्वारा प्रस्तुत करना ही लोक गाथा है। अंग्रेजी में इसे 'बैलेड' कहते है। यह लोक की सम्पत्ति है। यह श्रव्य विधा है। उदात्त और परम्परागत भावना इसकी प्रमुख विशेषता है। राजस्थान की प्रमुख लोकगाथाओं में बगडावत, तेजाजी, पाबूजी, ढाला-मारू इत्यादि उल्लेखनीय है।

प्रश्न 41 (1) लोककथा (2) लोकगाथा (3) लोकनाटय (4) लोकगीत

प्रश्न 42 (1) सोहनी-महीवाल की गाथा (2) हीर-रांझा की गाथा

प्रश्न 45 (1) पशु पक्षियों का मानव-वाणी में वार्तालाप

(2) किसी फला या अनाज द्वारा पुत्र-प्राप्ति

(3) शंकर-पार्वती द्वारा मृतनायक या नायिका को फिर जीवित करना।

(4) राजकुमारी को फूलों से तोलना। इत्यादि

इसके अतिरिक्त अन्य रूढ़ियाँ पुस्तकमें वर्णित है।

प्रश्न 47 (क) पति (ख) पुत्र (ग) अच्छी (घ) जादू

प्रश्न 48 (1) अक्षयतृतीया (2) नागपंचमी (3) गणगौर (4) रामनवमी

इसके अतिरिक्त अन्य नाम भी पुस्तकमें उल्लेखित है।

प्रश्न 49 शैरसेनी अपभ्रंश से

प्रश्न 50 (1) नसीरा (2) रासलीला (3) स्वांग (4) भगत इत्यादि

प्रश्न 54 वातपोश को 'कथक्कड़' भी कहते है। कथा कहने वाला वातपोश होता है।

प्रश्न 56 (1) बेला फूले आधी रात (2) धरती गाती है

इसके अतिरिक्त आवत ढोल, दीवा जले सारी रात, गिद्धा इत्यादि प्रमुख रचनाएँ हैं

**प्रश्न** 57**तेजाजी की लोकगाथा, पाबूजी की लोकगाथा इसके अतिरिक्त देवनारायण बगड़ावत एवं रामदेव की गाथा भी हैं**

**प्रश्न** 58**(क) शीघ्र (ख) पत्थर (ग) मेरा (घ) पुकार**

**प्रश्न** 60**विजयदान देथा**

**प्रश्न** 62**लोककथा में लयबद्ध उक्तियाँ छोगे कहलाती है। इन्हें कथक्कड़ वात (कथा) कहने से पहले प्रस्तुत करता है जिसमें सामान्य नीति सिद्धान्त ईश्वर की महत्ता भाग्य की महिमा या सामाजिक व्यवहार की उक्तियाँ सम्मिलित होती है। हूँकार हूँ या हाँ कहने वाला होता है और कथक्कड़ की वात (कथा) का समर्थन करता है।**

**प्रश्न** 63(1) **कोमल कोठारी**, (2) **डा. सत्येन्द्र इसके अतिरिक्त अन्य नाम पुस्तक के पृष्ठ संख्या 38 में है।**

**प्रश्न** 64(1) **राजस्थानी शोध संस्थान, जोधपुर**

(2) **राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर**

**इसके अतिरिक्त अन्य नाम पुस्तक के पृष्ठ संख्या** 38 **पर है।**

**प्रश्न** 65**राजा शाहदेव**

**प्रश्न** 66**गुजरात राज्य के**

**प्रश्न** 67(1) **नगाड़ा (ख) रावण हत्था (ग) सारंगी (घ) मंजीरे**